''विजनेस पोस्ट के 'अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (विना. डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गज़ट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.''



पंजीयन क्रमांक ''छत्तीसगढ़/दुर्ग/ <u>मी. ओ./रायपुर 17/2</u>002.''

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 33]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 13 अगस्त 2004—श्रावण 22, शक 1926

विषय-सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आंदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और • अधिसूचनाएं; (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग २.—स्थानीय निकाय को अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुर:स्थापितु विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 31 जुलाई 2004

क्रमांक ई-1-2/2004/एक/2.—श्री एल. एन. सूर्यवंशी, भा.प्र.से. (1992) संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आद्रेश तक संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं वन विभाग पदस्थ किंगा जाता है.

2. श्री एस. के. राजू, भा.प्र.से. (1998) उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक उप-सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पदस्थ किया जाता है.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, ए. के. विजयवर्गीय, मुख्य सचिव.

रायपुर, दिनांक ७ जुलाई 2004

क्रमांक 556/435/2004/1-8.—श्री एम. डी. दीवान, रा.प्र.से. तत्कालीन अवर सचिव, छ. ग. शासन. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, रायपुर को दिनांक 12-7-2004 से 16-7-2004 तक (5 दिन) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री दीवान अपनी ज्वाइनिंग नवीन पदस्थापना मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर जिला पंचायत, विलासपुर में देंगे.
- 3. अवकाश अविधि में श्री दीवान को वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री दीवान यदि अवकाश पर नहीं जाते तो अर्े एद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसन्द्र के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सी. एच. बेहार, सचिव

रायपुर, दिनांक 10 भई 2004

क्रमांक 1100/624/2004/1/2/लीव.—श्री एम. आर. सारथी, विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग को दिनांक 16-3-2004 से 24-4-2004 तक (40 दिवस) का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा साथ में दिनांक 25-

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री एम. आर. सारथी, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर पुन: पदस्थ होंगे.
- 3. अवकाश काल में श्री एम. आर. सारथी, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री एम. आर. सारथी, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 24 जुलाई 2004

क्रमांक 1811/1120/2004/1/2/लीव.—श्री आर. सी. सिन्हा, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग, को दिनांक 21-7-2004 से 31-7-2004 तक (11 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ हो दिनांक 1-8-2004 के शासकीय अवकाश को जोड़ने की अनुमति दो जाती है.

- 2. श्री सिन्हा के अवकाश अवधि में सचिव, राजस्व विभाग का कार्य श्री अवध विहारी विशेष सचिव, राजस्व विभाग अपने कार्य के सार्थ-साथ संपादित करेंगे.
- 3. ' अवकाश से लौटने पर श्री आर. सी. सिन्हा, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग के पद पर पुन:
- अवकाश काल में श्री आर. सी. सिन्हा, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने
 के पूर्व मिलते थे.
- प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री आर. सी. सिन्हा, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

के. के. बाजपंची, अवर सचिव.

ं आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 28 जुलाई 2004

क्रमांक 932/868/32/03.—एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ शासन नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) को धारा 23 "क" को उपधारा (2) के अंतर्गत राज्य शासन ने सूचना क्रमांक 601/868/32/03 दिनांक 31-5-2004 द्वारा आई.डो.एस.एम.टी. विकास योजना कोरबा में उपान्तरण प्रस्तावित किये गये हैं जिसकी सूचना दो समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी सूचना में उल्लेखित निश्चित समयाविध के भीतर कोई आपित्त/सुझाव प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए.

अत: राज्य शासन एतद्द्वारा कोरबा के खसरा ऋमांक 274/1 का भाग 7.0 है., खसरा ऋमांक 291/1 का भाग 4.7 हेक्टेयर कुल रकबा 11.7 हेक्टेयर की सूचना में किये गये उल्लेख अनुसार आई. डी. एस. एम. टी. <u>योजना कोरबा में निर्धारित उपयोग कृषि से आवासीय एवं</u> रिक्त से आवासीय में उपान्तरण करने की पृष्टि करता है तथा सूचित करता है कि यह उपान्तरण ग्राम कोरवा विकास योजना का एकीकृत भाग होगा.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदशानुसार. बी. के. सिन्हा, विशेष सचिव.

ऊर्जा विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 10 जून 2004

क्रमांक एफ-1/38/2004/13/1.—राज्य शासन की अधिसूचना क्रमांक एफ-1/23/2004/13-1 दिनांक 19 मई, 2004 द्वारा छनीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के सदस्य के चयनार्थ चयन समिति का गठन किया गया था. चयन समिति द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 (क्र. 36 सन् 2003) की धारा 85 की उपधारा (4) के प्रावधानों के अनुसार सदस्य की नियुक्ति हेतु अपनी अनुशंसा राज्य शासन को प्रम्तुत की गई.

समिति की अनुशंसा पर विचारोपरांत राज्य शासन एतद्द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 (क्र. 36 सन् 2003) की धारा 82 को उपधारा (5) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए श्री शरतचन्द्र को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग का सदस्य नियुक्त करता है. यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से प्रभावशील मानो जावेगी.

रायपुर, दिनांक 10 जून 2004

क्रमांक एफ-1/38/2004/13/1.—राज्य शासन की अधिसूचना क्रमांक एफ-1/23/2004/13-1 दिनांक 19 मई, 2004 द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के चयनार्थ चयन समिति का गठन किया गया था. चयन समिति द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 (क्र. 36 सन् 2003) की धारा 85 की उपधारा (4) के प्रावधानों के अनुसार अध्यक्ष की नियुक्ति हेतु अपनी अनुशंसा राज्य शासन को प्रस्तुत की गई.

समिति की अनुशंसा पर विचारोपरांत राज्य शासन एतद्द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 (क्र. 36 यन् 2003) की धारा 82 की उपधारा (5) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए श्री सुयोग्य कुमार मिश्र, वर्तमान मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त करता है. यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से प्रभावशील मानो जावंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, अजय सिंह, सचित्र.

विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 जुलाई 2004

फा. क्र. 4375/1621/21-ब (छ. ग.) 04.—दण्ड प्रक्रिया मंहिता. 1973 (क्रमांक 2 सन् 1974) की धारा 24 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये, राज्य शासन एतद्द्वारा श्री तंजप्रताप देव. अधियक्ता कांकर को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से दिनांक 31-7-2005 तक के लिये कांकर जिले के लिए पुन: अतिरिक्त लोक आधियांजक नियुक्त करता है.

किसी पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर यह नियुक्ति समाप्त का जा महास है.

छत्तीसम्बन्धः म यायामान के लाग में तथा आटेणानुसार. महेन्द्र गडीर, उप सचित्र

कृषि विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 13 मई 2004

क्रमांक 314/डी-15/74/2004/14-3.—छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अभिनियम, 1972 (क्रमांक 24 सन् 1973) की धारा 69 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार एतरद्वाराः अधिसूचित कृषि उपज लाख, जो राज्य के भीतर से किसो मंडी क्षेत्र में लायो गई हो, के विक्रय या प्रसंस्करण पर मंडी शुल्क के भुगतान से 18-10-2003 से एक वर्ष को कालाविध के लिए निम्न शर्तों के अध्यधीन रहते हुए छूट देती है :—

''जब छत्तीसगढ़ में अवस्थित किसी लघु उद्योग इकाई या ग्रामोद्योग इकाई द्वारा क्रय किया जाना है और उद्योग और ग्रामोद्योग विभाग से यथास्थिति, लघु उद्योग इकाई या ग्रामोद्योग इकाई के रूप में रिजस्ट्रोकरण ग्रमाणपत्र दिया जाता है, तो संबंधित मण्डी में उस प्रस्तुत करना . होगा''.

Raipur, the 13th May 2004

No. 314/D-15/74/2004/14-3.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 69 of Chhattisgarh.

Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972 (No. 24 of 1973), the State Government, hereby, exempt the payment of market fees for the period of one year from the 18-10-2003 on the sale or processing of notified agricultural produce lakh brought from within the state into the market area in the state subject to the following condition.

"When the purchase is made by any small scale industry or village industry located in Chhattisgarh, a Registration Certificate as small scale industry unit or village industry unit from the Industry or Village Industry Department
as the case may be is to be produced in the concern Mandi"

छत्तीसगढ़ के गज्यपाल के नाम में नथा आदेशानुमार. पी. के. दवे, अवर मांचव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/102. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भु-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संविधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभाग (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

-		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जाजगीर-चांपा	सकी	ंरगजा प.ह.नं. 6	1.322	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	सक्ती वितरक नहर (पूरक) ' .

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/103.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्ये शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा	का-वर्णन
. (1)	(2)	(3)	(4)	प्राधिकृत'अधिकारी (5)	(6) .
जांजगीर-चांपा	सक्ती	मसनियाकला	0.053 .	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. ४. खरसिया.	गढ़गाड़ी उप-वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/104.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विषित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के तिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है. अत: भृ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संविधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकांग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

27271	
সেশ্ব	. Ч

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	<u>सार्वजनिक प्रयोजन</u>
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्ट्रेयर में)	क द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	्का वणन
(1)	. (2)	(3)	· . (4)	(5)	(6)
′जांजगीर-चांपा	सक्ती	पोर्रथा प.ह.नं. 10	0.073	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगी नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	घोघरा वितरक नहर (पृरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव्र परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चापा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/105.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़न की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		. ,	· • • •	` /	
		भूमि का वर्णन		्धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	तगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा · प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	्नंदौरकला प.ह.नं. 12	0.032	कार्यपालन यंत्री. मिनीमाता यांगो नहर संभाग क. 5, खरसिया.	घोघरा वितरक नहर (पृरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/106. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संविधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	.(2)	(3)	(4)	(5).	(6)
जांजगीर-चांपा ं.	सक्ती .	मसनिया खुर्द प.ह.नं. 6	0.732	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	सक्ती वितरक नहर (पृरक) ं

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/107.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे सलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

***	١	भूमि का वर्णन		 धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(हेक्टेयर में) (4)	प्राधिकृत अधिकारी (5)	(6) .
जांजगीर-चांपा	सक्ती	्जाजंग प.ह.नं. 5	0.340	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	ः जुङ्गा वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/113.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ते की संभावना है. अवः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संवंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भृमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	•	धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल' (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन .
(1)	·(-2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	कुधरी प.ह.नं. 10	0.113 •	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	कुधरी माइनर 🙏 .

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/114.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भृ- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुमार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूचो

	ુ મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (२)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारो -	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	भांटा	0.489	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगा नहर संभाग ऋ. ४, इंभरा.	पग्मा भाइनर	

क्रमांक-क/भू-अर्जन/115. — चूंकि राज्य शासन की यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :-

अनुसूची

·	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	, (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	तौलीपाली प.ह.नं. 9	0.097	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो . नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	फगुरम सब डीवाय (प्रक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/116.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश दता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :--

अनुसूची

•	મૃ	मि का वर्णन			धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	,	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1) -	(2)	(3)	,	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा .	डभरा [']	धुरक्रोट प.ह.नं. 3		7.800	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बोगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/117.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धाग 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संविधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा कर (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णनं	;	भारा ४ की उपधारा (2)	सावंजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन .
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6,)
जांजगीर-चांपा	डभरा	चुरतेला प.इ.नं. 6	1.544	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/118.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धाग 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार सभी संविधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुमूची के खाने (5) में उद्यक्ति अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उपको राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

ĺ			मि का वर्णन		•	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
	जिला	तहसील	नगर/ग्राम		लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वास प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णिन
	(1)	(2)	(3)	ı	(4)	(5)	(6)
	जांजगीर-चांपा	मालखरीदा	सिंघरा प.ह.नं. 11		0.073	कार्यपालन यंत्री, पिनोमाना धांग्य नहर संभाग के. ३. इभग.	८३७५२ भारत्य

क्रमांक-क/भू-अर्जन/119.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित,व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

			3	अनुसूची		
	. খু	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
জিলা (1)	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
ंजांजगीर-चांपा -	(2) मालखरौदा	(3) बोड़ासागर प. ह. नं. 10	(4) · 0.174	(5) कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर	(6) • कुधरी सब डी वाय	
		4. E. A. 10		संभाग, क्र. 4, डभरा	•	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखो जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/120.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस<u>से संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भू</u>मि क्रा अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मृमि का वर्णन	,	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम '	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर मं)	के द्वारा	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(६क्टयर म) (4)	प्राधिकृत अधिकारी (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बड़ेमुड़पार प. ह. नं. 10	0.287	कार्यपालन यंत्रो, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बरतुंगा ब्रांच माइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/121. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसृची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार उपके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इम अनुसूची के खाने (5) में उद्योगित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, गज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17

अनुसूची

	• 8	नूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बोड़ासागर प. ह. नं. 10	0.069	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहर संभाग क्रमांक 4, डभरा.	मेरो सब डिस्ट्रीब्यृटरी

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगोर-चांपा, दिनांक 12 गार्च-2004 —

क्रमांक-क/भृ-अर्जन/122.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में बर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्यजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धांखत अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

		भृमि का वर्णन		धास ४ की उपधास (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम्	लगभग क्षेत्रफल (हंक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कुसमुल प. ह. नं. 5	0.190	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगी नहर संभाग क्र. 4, डभग.	फरमवानी महनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/123.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

4	. 9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
, जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	-का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	फगुरम प. ह. नं. ७	1.286	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नह संभाग, क्र. 4, डभरा.	र सिंघरा वितरक नहर (पृरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है,

बैंजगीर-चांपां, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/124.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में व्रणित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उक्षिव्रत अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	ખ ૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	· ः के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा [*]	सेरो प. ह. नं. 10	0.278	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्रमांक 4, डभ्रा.	संरो सब डिस्ट्रीब्यूटरी

क्रमांक-क/भू-अर्जन/125.—चूंकि राज्य शासन की यह प्रनीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़न की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुमार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शारान, इसके द्वारा, उस अनुसूची के खाने (5) में जहाँखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. गज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

	d.	[मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	कं द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
्र जांजगीर-चांपा	सक्ती ्	कुरदा प. ह. नं. 3	0.108	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगा नहर संभाग, क्र. 5, खर्रासया.	निर्धारी सब माइनर

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में दंग्वा जा सकता है.

- जांजगीर-चांपा, दिनांऋ 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/127.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दियं गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना हैं. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुमूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. गज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3).	(4)	(5)	· (6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	संदरी प. ह. नं. 3	0.040	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांग्य वहर संभाग, क्रमांक 5. खरसिया.	पृष्टेकेला वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/128.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् न894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		्मि का वर्णन		धारा ४ की- उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम -	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	सेंदरी प. ह. नं. 3	0.575	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	पुरेकला उप वितरक

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/129.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़न की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इसं आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित आधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भृमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारां (2)	सार्वजनिक' प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	• के द्वास प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती ं	् डडई प.ह.नं. 3	0.016	कायंपालन यंत्री, मिनीमाता यांगा नहर संभाग, क्रमांक 5, खरसिया.	अचानकपुर माइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/130.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि का अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आयरयकता हैं, अथवा आयर्यकता मड़ने की संभाजना हैं. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्भों के अनुसार उगके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घीखन अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, गज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

	. 9	गूमि का वर्णन 🕟		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर- चां पा	सक्ती	तुर्री प. ह. नं. 13	0.160	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता घांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरिसया.	पुटेकेला उप वितरक नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/131.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुची के काने (1) य (4) में वर्णात भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धाग 4 की उपधारा (1) के उपवारों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, उम अनुमुची के खाने (5) में उद्धायित अधिवारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, गज्य शासन यह भी निर्तेश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंग, क्र्योंकि इसकी गुग में उन्ह आधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंग, क्र्योंकि इसकी गुग में उन्ह आधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

	9	भूमि का वर्णन	•	धाग 4 का उपधास (2)	्रमार्थजनिक एयो जन
 जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के श्रम - संपकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	बैलानुंवा प.ह.नं. ४	0.076	क्षत्रंग्ण्यन यंत्री, मित्रामाता यांगी नहर प्रभाग, कृ. ६. <u>कुर्</u> षण्या,	ख्यांभया भाग्वा नहर निर्माण हेत्.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदंब परियोजना यक्तों के कार्यात्वय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004 •

क्रमांक-क/भू-अर्जन/132.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़न की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	गूमि का वर्णन	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
জিলা ·	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	बुढ़नपुर	0.322	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	स्केप चेनल निर्माण

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/133.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर⊸चांपा ,	सक्ती	ं कुरदा प.ह.नं. 3	0.182	कार्यपाल <u>न यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर</u> संभाग, क्र. 5, खरसिया.	यिश्रोदी_माइन्द

क्रमांक-क/भू-अर्जन/134.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विणंत भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उर्ल्लाखत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (क) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूचीं

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी .	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	सक्ती	चमराबरंपाली प. ह. नं. 13	0.388	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र . 5. खरसिया:-	चमरावरपाली माइनर.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/135.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विर्णत भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भु-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन; इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিল <u>া</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	रेड़ा ए.ह.नं. 13	0.129	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, ऋ. 5, खरसिया.	परसापाली माइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/137.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन. इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

-	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	🜊 सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्रींमं	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
•		•	(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	•
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	खैरा	0.032	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नह	र अचानकपुर माइनर.
	•	`प. ह. नं. <u>3</u>		संभाग, ऋ. ५, खरसिया. 🔗 🕡	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/138.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वांगत भूम की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावता है, अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन आधिनयम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके हारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासने, इसके द्वारा, इस अनुमूची के खाने (5) में उन्नेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :— *

अनुभूचो

	·	भूमि का वर्णन		भास । की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग श्रेत्रफल ' (हेक्टेयर में)	के द्वारा - प्राधिकृत ऑधकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जां नगोर -चांपा	सकी	मोहगांव ग.ह.नं. 2	0.089	कार्यपासन यंत्री, मिनीमाता यांगी नहर यंज्या, क. 5, खर्गसया.	ओधरा उप वितरक महर

भूमि का नक्ष्मा (प्तान) भू अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना साही के कार्याक्ष्य में देखा जा सकता है.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/139.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगें, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	् स	र्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफुल	के द्वारा	•••	का वर्णन
			' (हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	•	(6.)
जांजगीर-चांपा	सक्ती •	बासीन	4	.कॉर्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांग	ो नहर पासी	र माइनर
		प. ह. नं. 3	i	संभाग, क्र. 5, खरसिया.	٠ .	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/140.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतं: भूँ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय को सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	-	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
 जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन •
(1)	. (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जॉजगीर-चांपा	सकी	नंदौरखुर्द प.ह.नं. 12	0.040	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगों नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	घोघरा वितरक नहर (पृरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/141.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की भारा 4 की उपभारा (1) के उपजन्त्रों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	धारा ४ की उपधारा (2)		सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	ं नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		का वर्णन्
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	٠٠.	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	पतेरापालीकला	1.121	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो	नहर	टेम्पाभांटा माइनर
•		, प. ह. न. 2	-	संभाग, क्र. 5, खरसिया.		•

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/142.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उखेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

		ર્મૂ	में का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
•	जिल <u>ा</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	.(6)
जাंত	ागीर-चांपा	सक्ती ·	मसनियाखुर्द '	0.352	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	खरिनया शाखा नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/143.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भृ-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकाग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	े के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
्र जांजगीर-चांपा	सक्ती	मसनियाकला प. ह. नं. 6	1.741	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	खरसिया शाखा नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जीजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/157. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की ... अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन. इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारा को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्यज्निक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हंक्टेयर में)	के द्वारा <u>पाधिकृत अ</u> धिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	. (3)	(4)	.(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	र्जंजैपुर	दतौद प.ह.नं. 6	0.121	कार्यपालन् यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, ऋ. 3, सक्ती,	खेरापढ् सब माडनर नहर निर्माण हेन्.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/158. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसृची के खोने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं हांगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	पूमि का वर्णन	.•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्रार्थिकृति अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	v (5.)	-(.6.)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	दतौद प. ह. नं. 6	0.097	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	कारी भंवर सब माइनर नहर निर्माण.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जाँजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता हैं.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रेलं 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/159.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभायना है. अतं: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूचा के खाने (5) में उद्योगत ऑक्सांग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शामन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको राय में उक्त आधिनयम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको राय में उक्त आधिनयम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको राय में उक्त आधिनयम को धारा है।

अनुसूंची

*******		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	्सार्वजनिक प्रचा अन
जিলা	तहसील	नगंर/ग्राम -	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ें के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का नणाः
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	खजुरानी य.ह.नं. 11	0.874	े कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, ऋ. ३, सक्ती.	्म्रत्नीडीह भाइनर नहर निर्माण हेत्.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/160.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूचों के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राग में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	-	भूमिं का वर्णन		धारा ४ को स्उपधारा (२) सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम . ∶,	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा का वर्णन प्राधिकृत अधिकारी
(1)	(2)	. (3)	(4)	(5)
जांजगीर-चांपा	जेजंपुर	बेलकर्री , . प. ह. नं. 8	0.036	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बागो नहर दोलकरी सब माइनर १ के संभाग, क्र. 3, सक्ती. पूरक प्रकरण.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजेगीर∸चांप़ा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/161.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभीवना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दीं जीती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5'(अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूच

	,	नूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	-सार्वजिनक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	्र.लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर मैै)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	ं जैज़ैपुर	सेमराडीह प.ह.नं. 13	0.161	कार्यपोलन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, ऋ. ३, सक्ती.	कलमीडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/162.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके हारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके हारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) हारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

- अ	नस	च
٠,	7,	יי

	9	मि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर् ,	करमनडीह प. ह. नं. 13	0.020	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	करमनडीह सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/163. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	,	भूमि का वर्णन	-	धारा ४ की उपधारा (2) .	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	. तहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(.6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	सेमराडीह प.ह.नं. 13	0.036	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	करमनडीह सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/164. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शायन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	পূ	मि का वर्णन		धार	त 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	- 1	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	′	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर 	पांडाहरदी प. ह. नं. 10	0.056	•	लन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर क्र . 3, सक्ती.	करमनडीह सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जाजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/165.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्नेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	-्मि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>जिला</u>	तहसील ठ	् नगर√ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	कांशीगढ़ प.ह.नं. 9	0.187	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	कांशीगढ़ सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/144: —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	· · · · · · · · · · · ·	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा किल्का प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) ÷.
जांजगीर-चांपा	* जैजेंपुर	ं ओड़ेकेस ' "	0.618	कार्यपालन यंगी. मिनीमाता बांगी नहर	ृगाडामोर माइनर पूरक 🦠
		प. ह. नं. 18 -	:	संभाग, क्र. 3, सक्ती.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/145.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गयें सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा: इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के उपयंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची :

		भूमि का वर्णन		्र भारा ४-की_ उपधारा-(२)	सावंजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर भें)	ंके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	. (4)	(5)	(6.)
जांष्ट्रगर-चांपा	जैजेंपुर	जैजैपुर य.ह.नं. 14	0.742	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगी संभाग, क्र. 3, सक्ती	नहरे मेंदरी उप-वितरक नहरनिर्माण _. हेतु.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/149.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

· भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	· का वर्णन
	•		(हेक्टेयर में)	्रप्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर ^{, -}	तुषार 🔭 🚣 📥	0.402	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर	आमाकोनी ब्रांच माइनर 1 l.
	•	प. ह. नं. 13		संभाग, क्र. 3, सक्ती.	.(पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना संकी/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/150.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भु-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपर्धारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेग्वित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शायन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा य की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
			(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैंजैपुर	अमलीडी ं ह	0.112	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर	कचंदा उप वितरक नहर 7 रि
		प.ह.नं. 20	•	संभाग, क्र. 3, सक्ती.	माइनर (पूरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/147---चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला • •	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	टेमर प. ह. न. 8	0.858	कार्यपालन यंत्री, भिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया जिला, रायगढ़ (छ. ग.).	मोहदीकला वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जॉजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/148. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संधावना है अव: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्देखित अधिकारा को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2) .	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र/ग्राम	ं लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	ं टेमर- प. ह. नं. 8	0.085	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, खरसिया, जिला, रायगढ़ (छ. ग.).	नवापारा कता माइनर 1 नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/146.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन्/1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
. जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल - (हेक्टेय़र में) *	· के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
. (1)	(2)	(3)	· (4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	, सक्ती	नवापाराकला प. ह. नं. 8	0.117	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बागो नहर संभाग, खरसिया, जिला-रायगेढ़ (छ. ग.).	मोहदीकला डि. नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हमुदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/155.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भ्-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उंक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अंनुसूची

	• /	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
. जिला	, तहसील	् नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगोर-चांपा	जैजैपुर	बहेराडीह प. ह. नं. 18	0.351	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	आमाकोनो वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/151.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	• .	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (२)		सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		का.वर्णन
(1)	'(2)	(3)	(4)	(5)		(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर जैजैपुर	जैजैपुर . 'प. ह. नं. 14	0.877	कार्यपालन यंत्रो, मिनोमाता बांग संभाग, क्र. 3.	ो गहर	जेजेपुर माइनर पृर्क ं

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/152.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	मूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	्सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत <u>अधिकारी</u>	का वर्णन
· _(1)	(2)	(3)	(4) -	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जंजैपुर	, जैजेपुर प. ह. नं. 14	1.867	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता घांगो नहर संभाग, ऋ.3.	मुक्ता उप वितरक (प्रक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/153.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सावंजिनक प्रयोजन
• जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा ्र	का वर्णन
			(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारो	,
(1)	(2)	(3)	(4)	(5) ·	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	तुषार	0.211	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नह	र 'आमाकोनी माउनर
		प. ह. नं. 13	•	संभाग, क्र. 3, सक्ती.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगोर-चांपा, दिनांक 8 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/154.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्ने अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घंखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	٩	भृमि का वर्णन		धारा ४ की उपचारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजंपुर	हरेठीकला प. ह. नं. 22	1.140	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सकी.	हरेठीकला ग्रांच माइनर ३ 1, ' '(प्रक).

क्रमांक-क/भू-अर्जन/166.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उन्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे; क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

			भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
•	जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
			l.	(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	•
	(1)	(2)	, (3)	(4)	(5)	(6)
जां	जगीर∸चांपा	जैजैपुर	कचन्दा ्	0.351	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर	7 R माइनर कचन्दा उप वितरक
			प. ह. नं. 12		संभाग, क्र. 3, सक्ती.	(पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 अप्रेंल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/156.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृषि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथया आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकांग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चां पा	जेजैपुर	देवरघटा प. ह. नं. 22	0.058	कार्येपालन चंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती	भनंतरा माइनर

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/208.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भु-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	. (4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बरदुली प. ह. नं. 18	0.245	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	गुडरू माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय.में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/209. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खिने (1) से (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार. इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उझेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	ः सार्वजनिक प्रयोजन
जिला .	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. कां वर्णन`
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	भानेतरा प. ह. नं. 27	0.515	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो न संभाग, क्र. 3, सक्ती.	तहर भानेतरा माइनर 4 R

जांजगीर-चापा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/210. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में चर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारा को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	्लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	खैरिझटी प. ह. नं. 20	0.121	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	बोइरडीह न्नांच माइनर 3 R.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/211.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है, अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपभारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल ' (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	. (3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बेहराडीह प. ह. नं. 18	0.248	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, ऋ. 3, सकी.	आमाकोनी त्रांच माइनर २।

क्रमांक-क/भू-अर्जन/212.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्नेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
ज़िला	तहसील	नगर/ग्राम ़	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ः के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बरदुली प, ह. नं. 18	0.268	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नह	र बोइरडीह माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/213.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के ख़ाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		. धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	ंक ा वर्णन -
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	भानेतरा प. ह. नं. 27	0.149	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	भानेतरा माइनर.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/214.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहस्रील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	<u>के द्वारा</u> प्राधिकृत अधिकारी	-का वर्णन •
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बोईरडीह प. ह. नं. 20	0.086	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	बोईरडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/215.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धिखत अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•	٠. ٩	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
, जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ंके द्वारा ं प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6.)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बैहागुडरू प. ह. नं. 22	Ó.282	कार्यपालन यंत्री, [मनोमाता वांगो नह संभाग, क्र. 3, सक्ती.	र गुडरू माइनग

क्रमांक-क/भू-अर्जन/216.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील •	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी :	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	हरेठीकला प. ह. नं. 22	0.318	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	हरेठीकला माइनर-1 (पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारो, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/217.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता हैं कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सावंजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	. के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जंजैपुर	मुंजियाबोर प. ह. नं. 27	0.212	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगी नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	भानेतरा माइनर नहर निर्माण हेतु (पृरक).

क्रमांक-क/भू-अर्जन/218.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है, अत; भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	नूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
. (1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	खैरझिटी प. ह. नं. 20	0.230	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो संभाग, क्र. 3, सक्ती.	नहर, बोड्रडीह मोड्नर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/219.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल् (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जेजेपुर	बरदुली प. ह. नं. 18	0.164	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	योडरडीह यांच १ ।.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/220.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_			١
अ	7	î	ᇴ	
٠.	٠.	۶`۵	ν.	

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	तगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2) ··	(3)	(4)	(5)	(6) _.	
जांजगीर-चांपा -	जैजैपुर	बरदुली प. ह. नं. 19	0.116	कार्यपांलन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	बरदुर्ली माइनर 2 पृरक	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

ऋमांक-क/भू-अर्जन/221.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वंणित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अश्रया आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घंखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

•		भूमि का वर्णन	•	ु धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
·(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	अरसिया प. ह. नं. 16	1.635	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	सेन्द्ररी उप वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/222.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1884 की घारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार उपके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के तिए प्रधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध होते हैं :—

अनुसूची

	9.	मि का वर्णन		धारा ४ की .उपधारा (2)	सार्वजीनक प्रयोजन
जिला	तहरगील ·	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल ' (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांदगीर-चांपा	जैजेंपुर	सेन्दरी प. ह. नं. 17	2.339	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	सन्दरी उप वितरक नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/223.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुमार उसके द्वारा सभी संवंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन 📝		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) .
जांजगीर -चांपा	जैजैपुर	मुक्ता प. ह. नं. 15	0.790	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	मुक्तां रूपवितरक नहर (पृरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/181.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता हैं कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासने यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का त्रणंन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	पुटेकेला प. ह. नं. 03	0.121 -	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगी नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	पुटेकेला उप वितरक ं

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/177.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथया आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुमूची के खाने (5) में उद्धिवत आधकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	रूमि का वर्णन		धारा 4ं की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा ग्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	झर्रा प. ह. नं. 09	0.517	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहरं संभाग, क्र. ४. डभरा.	फगुरम सब डां वाब (पुरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/1676.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची .

•		रूमि का वर्णन	•	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजनं
• जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
्जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सारसकेला	0.110	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगां नहर	सारसंकेला भाइनर (पृरक)
	•	प. ह. नं. 10		संभाग, क्र. 4, डभरा.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जाजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भृ-अर्जन/174.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना हैं. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेशिवत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूचो

	3	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरोदा	सारसकेला प. ह. नं. 10	0.459	कार्यपा लन यंत्री, मिनीमाता वांग ो नह संभाग, ऋ. ४, डभरा.	र- परसी-माइनर (प्रस्क)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/170.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	* •	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला ·	तहसील	नग√ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा`	· डभरा	देवरघटा प. ह. नं. 01	0.334	कार्यपाल न यंत्रो, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, ऋ. ४, डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता हैं.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/179.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता हैं कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकतां है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ वर् दे उपधाद (2)	· सार्वजनिक-प्रयोजन-
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	——— लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2).	(3)	(4)	आवकृत आवकारा	· (6)
ंजांजगीर-चांपा	डभरा	ठनगन प. ह. नं. 08	0.774 -	कार्यपालन यंत्री. मिनीमाता बांगा नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर (पृरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/175.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के दिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

-अनुसृची

		मि का वर्णन	,	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	्नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	 के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी 	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सारसकेला प. ह. नं. 10	0.524	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	संरो सब डिस्ट्रोव्यूटरी (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रेंत 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/169. — चूंकि राज्यं शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके हुारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके हुारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) हुारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
সিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	् के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तुरकापाली प. ह. नं. 11	0.214	कार्यपालन यंत्री, <u>भिनोमाता वांगा नहर</u> संभाग, क्र. 4, डभरा.	<u>गोवग सव दिस्ट्रोब्यूट</u> गे (पृग्क).

क्रमांक-क/भू-अर्जन/172. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में विर्णंत भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम. 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	(भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	्लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	, (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा ,	डभरा ·,	उच्चपिंडा प. ह. नं. 1	0.174	कार्यपाल <u>त यंत्री, मिनीमाता यांगो नह</u> र संभाग, क्र. ४, डभरा.	-भुस्कोट-उप-वितरक गहर (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/171.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभायना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	4	भृमि का वर्णन 📑		धारा <u>4 की उपधारा (2)</u>	<u> सार्वजनिक प्रयोजन</u>
जिला	तहसील	्नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	. के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	निमोही प. ह. नं. 1	1.015	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगा नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर (पूरक).

क्रमांक-क/भू-अर्जन/178.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घंखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

27	नमन
ਯ	ากษ
	~ ~

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)'	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	. (4)	. (5)	(6)	
जाजगीर-चांपा	डभरा	चुरतेली प. ह. नं. 6	0.855	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा	सिंघरा वितरक नहर	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004-

क्रमांक-क/भू-अर्जन/176.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की शारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

	-	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	रामभांटा	1.679	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगी नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर (पृरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/173.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस<u>से संलय्त अनुसूची के खाने (1) से (4)</u> में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धाग 4 को उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उझेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 को उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 ≰अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा . प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कानाकोट प. ह. नं. 1	0.775	कार्यपालन यंत्री, मिनामाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	थुरकोट उप वितरक नहर (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजनः सक्ती/जांजगीर क कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 25 अप्रैल 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/180.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना हैं. अत: भ्-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धाग 4 की उपधारा (1) के उपचन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

`अनुसूची

भूमि का वर्णन				- धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
्जांजगीर-चांपा	डभरा	घिवरा •	1.301	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. ४, डभरा.	सिंवस वितरक नहर (पूरक)

जांजगीर-चांपा, दिनांक 6 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/65.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम. 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम्	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	कचंदा ं प. ह. नं. 12	0.289	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	ब्रांच माइनर 2 L नहर (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 6 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/69.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी की उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के सुबंध में लागू नहीं होंग, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील '	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा •	- जेंजेंपुर	गाड़ामोर प.ह.नं. 10	0.308	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3.	बरदुली वितरक नहर गाड़ामोर- माइनर (पृरक).

जांजगीर-चांपा, दिनांक 6 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू- अर्जनं/70. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	^
अन	सचा
- ', '	(X)

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	न
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लेगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	पिसौद प. ह. नं. 21	0.106	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	भनेतरा ब्रांच माइनर	2 R

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/182.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

्रभूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्रांम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4) ,	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बड़ेरवेली प. ह. नं. 14	2.434	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	त्रहेरवेली उप वितरक

क्रमांक-क/भू-अर्जन/183. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. ધૃમિ	का वर्णन		धारा ४-को उपधारा (२)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील .	नगर/ग्राम	लगभग-क्षेत्रफल	के द्वारा	े का वर्णन
	•	•.	(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बंदोराः - •	. 2.841	कार्यपालन यंत्री, मिनीमृाता वांगो नहर	कुरदा वितरक
				संभाग, क्र. ४, डभरा.	•

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/184.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपभारा (1) के उपयन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	· सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टंयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	प्रधानभूति जीवनारी (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पिरदा	0.908	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	(1) अचरीतपाली सत्र माइनर (2) अमलीडीह सत्र माइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/185.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश - देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
			(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	•
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ं जांजगीर-चांपा	' मालखरौदा	अमलीडीह	0.284	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर	अमलीडीह सव माइनर.
		प. हः नं. 14	1	संभाग, क्र. 4, डभरा.	

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/186. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत् अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	अड़भार प.ह.नं. 8	1.562	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	हरदी उप वितरक (पूरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/187.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन	-	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	. (2)	(3).	. (4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	भठोरा प. ह. नं. 3	0.121	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नृहर संभाग, क्र. 4, डभरा	भठारा सब माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/188.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9.	मि का वर्णन	ं धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छपोरा प.ह.नं. 13	0.217	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	- कुरदा उप वितरक

क्रमांक-क/भू-अर्जन/189.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उझेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है ि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5

अनुसूची

771	3	रूमि का वर्णन	•	• धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	.(6)	
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	नवागांव	0.855	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	नवागांव माइनर	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

• क्रमांक-क/भू-अर्जन/190.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना हैं. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संवंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्त्रेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	92	मि का वर्णन	·		
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(हेक्टेयर में) (4)	प्राधिकृत अधिकारी ^r (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	नवापारा प.ह.नं. 12	0.206	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बरभाठा माइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/191.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (31) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं हांगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा _. 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा ेप्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2),	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	भातमाहुल प. ह. नं. 21	0.488	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	भातमाहुल माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 20 मई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/192.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भ्-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकार्श को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन	•	घारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पिरदा	0.833	कार्यपृालन यंत्री, मिनीमाता हमदेव बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	ं.पिरदा गाइनर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/193. कुंचूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	, મૃ	मि का वर्णन		्धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा ्र प्राधिकृत अधिकारी	का _. वर्णन .
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	- मालखरौदा	कुरदा ् ,	0.531	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बरपाली माइनर

भूमि का नक्शा (प्लांन) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़[†] के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसा**र**; निधि छिब्बर, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 11 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/226.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 को उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	ય	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5).	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सेरो प. ह. नं. 10	0.336	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/235.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	ूमि का वर्णन	•	. धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील्	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	अड़भार प.ह.नं. 8	1.665	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नह संभाग, क्र. 4, डभरा.	र -अडभार सब माइनर 2

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

. जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/236.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उख़ेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	·	भूमि का वर्णन	• .	धारा ४ की उपधारा (2)	यार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	_{g.} (4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	करिगांव	1.472	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव बांगो नहर, संभाग, क्र. 4, डभरा.	करिगांव यव माइनर ।

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/237.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	. મી	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
, जिला	्र तहसील	नग्र∤ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा _ प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	, (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	भडोरा	1.190	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो व संभाग, क्र. 4. डभरा.	नहर भड़ोरा माइनर 2

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी; हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/238.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उस्त्रेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लोगू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लोगू होते हैं :—

अनुसूची

	৸ৄ	मि का वर्णन	धारा ४ की उपधारा (2) सार्वजनिक प्र		
जिला	- तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बंदोरा	3.889	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	करिगांव माइनर

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 जुलाई 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/239.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं —

अनुसूची

	. 1	भूमि का वर्णन			धारा 4 की उपधारा (2)	ं सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	,	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	र् का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	*	(5),	(6)
जांजगीर-चां पा	मालखरौदा -	बंदोरा १५५ प.ह.नं. 8	11.408 /		पालन यंत्री, मिनीमाता बांग ग, क्र. 4, डभरा.	ो नहर करियांव माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, बी. एल. तिवारी, कुलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 12 जुलाई 2004

क्रमांक क/वा./भू-अर्जन/04.—चूंकि राज्य शासन को प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाना क्रमांक 1 से 4 में वर्णित भूमि की अब सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता नहीं है. अत: भू-अर्जन अधिनियम 1894 की धारा 48 के उपबंधों के अनुसार राज्य शासन द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाना क्रमांक 1 से 4 में वर्णित भूमि जो कार्यपालन अभियंता, म. प्र. गृह निर्माण मण्डल रायपुर वर्तमान छत्तोसगढ़ अधोसंरचना विकास निगम रायपुर के लिये अधिग्रहित अर्जित की गई थी को निरस्त करता हूं.

জিলা (1)	प्रकरण क्रमांक • (2)	खसरा नं. (3) .	अर्जित रक्रबा (4)
रायपुर	प्र. क्र./151/अ/82 वर्ष 89-90 ग्राम सोनडोंगरी	613/128	0.47 एकड़ (0.190 हें.)
	प.ह.नं. 107, रा.नि.मं. एवं तहसील, रायपुर.	613/163	0.29 एकड़ (0.118 हे.)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नम्म में तथा आदेशानुसार. आर. पी. मंडल, कलेक्टर एवं पदेन सचिव.



	**
राजस्व विभाग	(1)
कार्यालय, कलेक्टर, जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़ एवं	,
•	169 0.03
पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग	164 0.01.
	. 113 0.01
महासमुंद, दिनांक 29 मई 2004	122 0.05
	311 0.01
क्रमांक 343 क/अ/82/अ.वि.अ./भू-अर्जन वर्ष 2003-04.— चृंकि	115 0:07
राज्य शासन को इस वात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित	196 . • 0.01
सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम,	195 0.11
1894 (क्रमांक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा	194 0.02
यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	112 0.07
आवश्यकता है :—	186 0.14
अनुसूची	163 0.08
	117 0.01
(1) भूमि का वर्णन-	. 168 0.10
क्रिक्ट किला-महासमुद	415 0.01.
(ख) तहसील-बसना	
(ग) नगर/ग्राम-लोहरीनडीपा	162 0.08
(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.75 हेक्टेयर	. 114 ' 0.02
(1) ((1) (4) ((1) (4) (4) (4)	121 0.01
खसरा नम्बर रक्तवा	<u> </u>
(हेक्टेयर में)	योग 38 .1.75
. (1)	
, ,	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भृमि की आवश्यकता है-
427 0.06	थीपापानी जलाशय योजना के नहर कार्य हेतु.
426 . 0.05	
425 . 0.07	। (3) भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, सगय
305 0.05	पाली के कार्यालय में किया जा सकता है.
424 . 0.02	
423 0.03	महासमुंद. दिनांक २५ मई २००४
306 0.02	क्रमांक ३४४ क/अ/82/अ.वि.अ./भृ-अजंन वर्ष २००३ -०४.— नृंकि
429 0.01	राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दो गई अनुभूची
422 '0.03	के पद (1) में बर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उद्घेश्वित
· 421 0.01 .	सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू- अर्जन आर्थानयम,
420 0.05	1894 (क्रमांक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इयके द्वारा
419 0.04	यह घोषित किया जाता है कि उक्त भृष्मि की उक्त प्रयोजन के लिए
417 0.08	आवश्यकता है :—
303 0.06	अनुस ्त्री
416 0.03 .	
304 0:09	(1) भूमि का वर्णन-
307 0.06	(क) जिला-महासमृद
310 0.05	(ख) तहसील - सरायपाली
193 0.02	(ग) नगर/ग्राम-पोटापारा
	(घ) लाधा भंचास्य २ ३४ देवांगा

(घ) लगभग क्षेत्रफल- 3.34 हेक्टेयर

		,	the second second	•
खसरा नम्बर	रकवा (हेक्टेयर में)	,	(1)	(2)
· (1)	(2)		. 559	0.03.
			558	0.03
639	. 0.04		504	0.05
640	0.09	•	503/1	0.05
642	0.03		508	0.08
855	0.03		203	0.03
890	0.08		205	0.12
643/946	0.02		190	0.08
920	0.04	1	110	0.11
643	0.06		213	0.06
918	0.03		187	0.02
646	0.04	-	160	0.02
647	0.04		150/1	0:07
159	0.05		149	0.07
113	0.10		93/1	0.07
649	0.04		82/1	0.03
. 840	0.06		. 81	0.03
502	0.06		77	0.02
843	0.12		238	0.03
845	0.12			. 0.03 .
′848	0.06		योग 60	3.34
. 850	0.06			3.34
509	0.03	•	(2) सार्वेजनिक प्रयोजन जिसके	लिये भूमि को आवश्यकता है-
510	0.02		थीपापानी जलाशय योजना वे	
852	0.05			· (0) 4114 0 g.
111	0.10		(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का नि	सीक्षण भ_अर्जन अधिकारी कार्यः
857	0.02	_	पाली के कार्यालय में किया	
889 `	0.06			en vestil 61
560	. 0.03		महासमुंद, दिनांव	रु 29 मर्ड∙2004
853	0.05			
191	0.04		क्रमांक ३४५ क/अ/82/अ.वि.अ	√भू-अर्जन वर्ष 2003-04.—चृंकि
129	0.07		राज्य शासन को इस बात का समाधान	। हो गया है कि नाचे दो गई अनसकी
854	0.07		के पद (1) में वर्णित भूमि की उ	भनुसूची के पदं (2) में उल्लेखित
188	0.05 84		सावजानक प्रयाजन के लिए आवश्य	हता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम्
891	0.08		1894 (क्रमांक सन् 1894) की धार	१ 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा
. 919	. 0.12	:	यह घोषित किया 'जाता है कि उक्त	भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए
921	0.12	/	आत्रश्यकता है :	- 3 · · ·
. :.925	0.05	. .	अनुस	ूचा
212	0.01.			
′588	0.03	• •	(1)-भृमि का वर्णन	•
587	0.04	· • .	(क) जिला-महासमुंद	
3 557 · · · · · · · · · · · · · · · · ·	0.10	• •	(ख) तहसील-वसना	
515	7. 1. 0.10 h		(ग) नगर/ग्राम-टीपा	

(घ) लगभग क्षेत्रफल=1.53 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	. रक बा	कार्यालय, कलेक्टर, जिल	ा सरगुजा, छत्ती	
	(हेक्टेयर में)	पदेन उप-सचिव, छत्तीसग	ढि शासन, राजस	
(1)	(2)	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	•	
		सरगुजा, दिनांक	13 जुलाई 2004	
511	0.04			
513	0.02	क्रमांक 24 अ-82/2002-200)3.—चूंकि राज्य शास	
. 514	0.04	क़ा समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसृची के पद		
504	0.06	भूमि को अनुसूची के पद (2) में र	इल्लेखित सार्वजनिक प्र	
197	0.07	आवश्यकता है. अत: भृ-अर्जन अ	धिनियम, 1894 (ऋ	
512	0.05	1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनि	ायम, 1984 की धारा (
510	0.01	इसके द्वारा यह घोषित किया		
517	0.13	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	;	
195 .	0.01	ı	_	
516/1	0.06	अनु	ु सूची	
212	- 0.03			
503	0.04	(1) भूमि का वर्णन–		
502/2	0.06	(क) जिला-सरगुजा (छ. ग.)		
423	0.09	(ख) तहसील-सूरजपु	र	
484	0.09	(ग) नगर/ग्राम-ड़ेडरी, प.ह.नं. 43, सलक		
485	0.09	कुरूवां, प.ह.नं. 44		
. 193	0.10	(घ) लगभग क्षेत्रफल	-,1.378 हेक्टेयर	
435	0.03			
370 ·	0.06	खसरा नम्बर	रकवा	
189	0.05		' (हेक्टेयर म	
437	0.04	· (1)	(2 ['])	
436	0.05			
422	0.09	ग्राम	-डेडरी	
367/1	0.06	,		
368	0.07	; 847/1	0.055	
372	0.01	.847/2 -	-0.055	
369	0.03	847/3	0.055	
192	0.03	847/5	0.055	
194	0.02	·		
		, योग 4	0.220	
योग 29	1.53			
			-सलका	
 सार्वजिनक प्रयोजन जिस् 	तके लिये भूमि की आवश्यकता	हे−-		
थीपापानी जलाशय योजन		1048/3	0,144	

- (2
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, सराय-्पाली के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, गौरव द्विवेदी, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सन्विव.

छत्तीसगढ़ एवं राजस्व विभाग

04

न्य शासन को इस चात के पद (1) में वर्णित ।निक प्रयोजन के लिए . 94 (क्रमांक एक सन् धारा 6 के अन्तर्गत उक्त भृमि की उक्त

- सलका, प.ह.नं. ४३,
- यर

	-		(हेक्टेयर में)
	(1)		(2 ['])
	٠	ग्राम-डेडरी	
•	847/1		0.055
	.847/2 -		-0:055
	847/3		0.055
	847/5		0.055
योग	4		0.220
•	<u></u>	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

योग	4		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			0.326
	1050	, -				0.046
	1049/5					0.096
	1010/5	•		٠	•	0.000
••••	1047					0.040
	1048/3			•		0.144
4						

	·		·
(1)	. (2)	(1)	(2)
	ग्राम-कुरूवां	3285/2	0.130
2852	0.096	योग १	0.832
'3266	. 0.096	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	4-470
3265	0.050	कुल याम	1.378
3269	0.040	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके र्	लए आवश्यकता है -रेहर एवं गायत्री
3270	0.040	्परियोजना के पहुंच मार्ग व	िनमांण हेतु.
3272	0.050	(2) 25	
3273	0.080	(3) भूमि का निक्शा (ग्लीन) का । के कार्यालय में देखा जा सः	नेरीक्षण भू–अर्जन अधिकारी सूरजपुर : स्ता है
3275	0.250	क क्याचाराच व व्याचा स	and g.
·	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	·	के नाम से तथा आदेशानुसार. आ, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

छत्तीसगृढ़ राज्य निर्वाचन आयोग महानदी खंड, मंत्रालय परिसर, रायपुर

रायपुर, दिनांक 28 अप्रैल 2004

आदेश

निर्वाचन प्रतीकों का निर्धारण

क्रमांक एफ. 12/न.पा./प्रतीक/04/527.—छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 11 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, राज्य निर्वाचन आयोग, एतद्द्वारा नगरपालिकाओं के निर्वाचन के लिए निम्नांकित निर्वाचन प्रतीक विहित करता है, अर्थात् :—

(1) नगरपालिक निगम के महापौर या नगरपालिका परिषद् के अध्यक्ष या नगर पंचायत के अध्यक्ष के लिए.

संलग्न सुची के भाग-1 में उल्लिखित

(2) नगरपालिक निगम या नगरपालिक। परिषद् या नगर पंचायत के पार्षद के लिए. संलग्न सूची के भाग-2 में उद्घिखित प्रतीक

2. आयोग द्वारा विहित उपरोक्त निर्वाचन प्रतीक, उन प्रतीकों के अतिरिक्त होंगे जो, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा, निर्वाचन प्रतीक (आग्क्षण तथा आवंटन) आदेश, 1968 के अधीन, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के लिए आरक्षित हैं. 3. इस् विषय के संबंध में पूर्व में जारी की गई आदेश क्र. एफ. 80 तीन न. पा. 2213 दिनांक 25 जून 1997 के सूची भाग-1 के क्रमांक . 17 एवं भाग-2 के क्रमांक 1, 11 एवं 12 एतदहारा निरस्त की जाती है.

> छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार, हस्ता./-(ओंकार सिंह) उप सचिव.

सूची भाग-1-महापौर/अध्यक्ष के लिये विहित निर्वाचन प्रतीक

	प्रतीक	, क्रमांक	. प्रतीक
क्रमांक — ·	प्रताक (2)	(1)	(2)
(1)	(2)		
1	नल	18.	कुर्सी
2.	चाबी	19.	मटका
3.	टेबल पंखा	20.	गाड़ी
^ 4.	. कलम द्वात	21.	फावड़ा और वेलचा
5.	किताव	´ 22.	सूरजमुखी
6.	स्लेट	23.	गंहूं की वाली
7. ·	विजली का स्विच	24.	सव्जियों की टोकनी
8.	. कांच का गिलास	25.	हार
9.	रेडियो .	26.	अंगृठी ्
10.	खम्भे पर ट्यूब लाईट	27.	वेंच
11.	स्टूल	28.	गस् सिलेन्डर
12.	गैस बत्ती	29.	पीपल का पता
13.	. रोड रोलर	30.	हारमोनियम
14.	बस	31.	इस्तचलित पम्प
15.	सीटी	32.	हाथ चर्का
16.	प्रेशर कुकर 	33.	लट्टू
17.	टेबल लैम्प	34.	मंज

भाग-2-पार्षद के लिये विहित निर्वाचन प्रतीक

<u>क्र</u> मांक	प्रतीक	क्रमांक .	. प्रतीक
(1)	(2)	(1)	(2)
		* 1 7 4 4	
1.	दो पत्तियां	15.	रेल का इंजन
2.	उगता .सूरज	16.	व्लेक बोर्ड
3.	सीढ़ी	17.	टेलीफो न
4.	पतंग	18.	टेलीविजन
5.	तराजू :	19.	वायुयान .
6.	.छाता	20.	वरगदं का पेड़ें
. 7.	विजली का बल्व	. 21.	्रतेटर् वाक्स (पत्र पंटी)
8.	🕐 छत का पंखा	22.	अलमारी
9.	ताला और चाबी	23.	हांकी और गेंद
10.	्सिलाई-की मशीन	. 24.	्र तीर कमान
11.	झोपड़ी	25.	-दा-तलवाः एक -हाल-
12.	नाव	26.	- चश्मा
13.	स्कूटर	27.	फलों सहित नारियत का पेड़
14.	जोप	•	

रायपुर, दिनोंक 31 जुलाई 2004

संशोधन आदेश

निर्वाचन प्रतीकों का निर्धारण

क्रमांक एफ 12/न.पा./प्रतीक चिन्ह/2004/1022.—छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर द्वारा निर्वाचन प्रतीकों का निर्धारण विषय पर जारी आदेश क्र. एफ 12/न.पा./प्रतीक चिन्ह/2004 दिनांक 28-4-2004 में ''छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 11'' के स्थान पर ''छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 31'' पढ़ा जाये.

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार,
हस्ता/
(ओंकार सिंह)
उप-सचिव: